कैलाश चौधरी
KAILASH CHOUDHARY

सत्यमेव जयते

कृषि एवं किसान कल्याण
राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR AGRICULTURE
& FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हिंदी दिवस 2021 के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत एक विविधताओं से भरा देश है और यहां विभिन्न प्रकार की बोली, भाषा और संस्कृति के लोग निवास करते हैं। विविधता की इस अवधारणा में हिंदी भाषा की स्वीकृति एवं इसके प्रति सम्मान सन्निहित हैं। भारत की सांस्कृतिक विरासत के अविरल प्रवाह की निरंतरता में हिंदी की अहम भूमिका है। हिंदी की लोकप्रियता के आधार पर भारतीय संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकृति प्रदान की और संविधान में समुचित स्थान प्राप्त हुआ। इस दिन को हम हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

हिंदी वास्तव में राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है जो देश के अधिकांश व्यक्तियों द्वारा बोली और समझी जाती है। महात्मा गांधी जी ने हिंदी को जनमानस की भाषा बताया था और इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा दिए जाने हेतु उपयुक्त बताया था। अपनी भाषा में मौलिक लेखन और अभिव्यक्ति बहुत सरल और सहज होती है। हिंदी को सरलतम रूप में सरकारी कामकाज में अपनाकर हम कृषि जैसे वैज्ञानिक विषय को आमजन तक पहुंचाने में सफल हो सकते हैं। यह भी सत्य है कि हिंदी भाषा को संजोए रखने के लिए इसके प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग को सरल रूप में आगे बढ़ाना होगा। संघ की राजभाषा नीति के आधार पर सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार करना हमारा दायित्व है।

कृषि के क्षेत्र में नित नए अनुसंधानों के परिणामस्वरूप नई किस्मों और प्रौद्योगिकियों का विकास किया जा रहा है। इससे संबंधित जानकारी देश के किसानों तक हिंदी में उपलब्ध कराने में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की भूमिका सर्वथा सराहनीय रही है फिर भी हमें इस दिशा में लंबी दूरी तय करनी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे सामूहिक एवं सार्थक प्रयास से आने वाले भविष्य में सशक्त नए भारत के निर्माण की दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

मैं परिषद एवं अधीनस्थ संस्थानों में इस अवसर पर आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों के सफल आयोजन की कामना करता हूं।

जय हिंद, जय हिंदी;

(कैलाश चौधरी)

Office : 199Q, Krishi Bhawan, New Delhi-110 001. Tel. : +91-11-23782343, 23388165 Fax : 23074190